Title : Need to establish a regional Centres of the Sangeet Natak Akademi, Indian Council for Cultural Relations and Rashtriya Natya Vidyalaya in Jharkhand-Laid.

श्री संजय सेठ (राँची): झारखंड सांस्कृतिक रूप से समृद्ध प्रदेश है । विविध संस्कृति के बावजूद यहां की एकता बेमिसाल है । राज्य में 32 जनजातीय समुदाय निवास करते हैं । इन सबकी अलग-अलग सांस्कृतिक विशेषताए हैं । अलग रहन सहन है । झारखंड नृत्य, संगीत और वाद्य की समृद्ध विरासत वाला प्रदेश है, इसलिए यहां कहा जाता है नाची से बाची । इसके अलावा लोक चित्रकला, कोहबर, सोहराई, जादूपटा आदि की विश्वभर में लोकप्रिय बनने की अपार संभावनाएं हैं । झारखंड में ऐसी कई कलाएं हैं, जो विलुप्त होने के कगार पर हैं । झारखंड प्रदेश के कई कलाकार अपनी कला के माध्यम से देशभर में पहचान बना चुके हैं और ऐसे कई कलाकार हैं जो परफॉर्मिंग आर्ट्स के विभिन्न क्षेत्रों में जैसे शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय संगीत, थिएटर में नैसर्गिक रूप से प्रतिभावान है । संसाधनों की कमी के कारण ये कलाएँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तान्तरित नहीं हो पा रही हैं । ऐसी कला और कलाकारों को तत्काल संरक्षण और संवर्धन की जरूरत है ।

इसलिए सरकार से मेरा अनुरोध है कि झारखंड में संगीत नाटक अकादमी, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR)तथा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का क्षेत्रीय केंद्र खोला जाए, ताकि हमारी समृद्ध संस्कृति और कला सुरक्षित रह सके ।